



Shivani

16 Jan 1995

03:30 PM

Samana

Model: web-freekundliweb

Order No: 121188802

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 16/01/1995
दिन _____: सोमवार
जन्म समय _____: 15:30:00 घंटे
इष्ट _____: 20:19:38 घटी
स्थान _____: Samana
राज्य _____: Punjab
देश _____: India

अक्षांश _____: 30:09:00 उत्तर
रेखांश _____: 76:15:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:25:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 15:05:00 घंटे
वेलान्तर _____: -00:09:35 घंटे
साम्पातिक काल _____: 22:46:29 घंटे
सूर्योदय _____: 07:22:08 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:47:19 घंटे
दिनमान _____: 10:25:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शिशिर
सूर्य के अंश _____: 02:00:36 मकर
लग्न के अंश _____: 02:41:57 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी _____: मिथुन - बुध
नक्षत्र-चरण _____: पुनर्वसु - 3
नक्षत्र स्वामी _____: गुरु
योग _____: वैधृति
करण _____: बव
गण _____: देव
योनि _____: मार्जार
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: शूद्र
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मेष
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: वायु
जन्म नामाक्षर _____: हा-हर्षा
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मकर

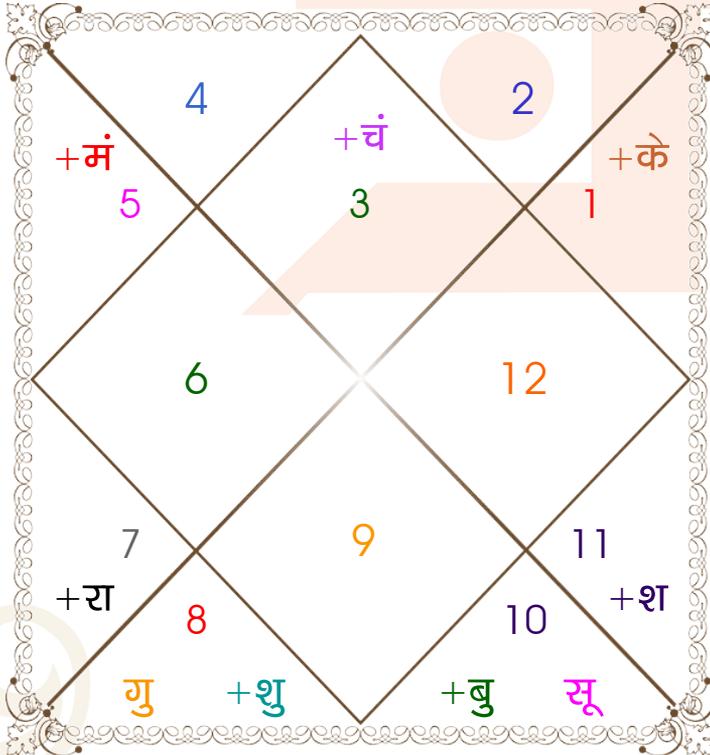
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	02:41:57	336:58:47	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			मक	02:00:36	01:01:05	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	27:00:57	12:27:13	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल	व		सिंह	07:40:10	00:10:46	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
बुध			मक	20:19:02	01:16:53	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	सम राशि
गुरु			वृश्चि	13:53:48	00:10:55	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	15:10:28	01:02:09	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	सम राशि
शनि			कुंभ	15:36:57	00:05:59	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	18:03:21	00:12:40	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	मित्र राशि
केतु	व		मेष	18:03:21	00:12:40	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
हर्ष			मक	02:35:02	00:03:33	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप			धनु	29:21:32	00:02:17	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:11:01	00:01:34	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	16:18:04	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

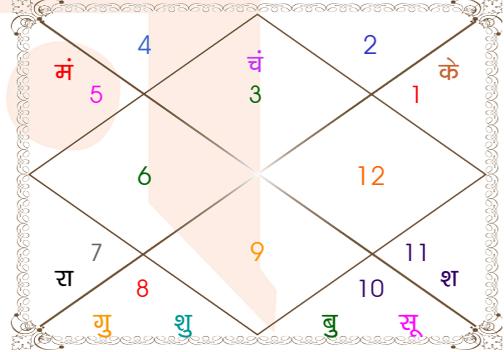
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:29

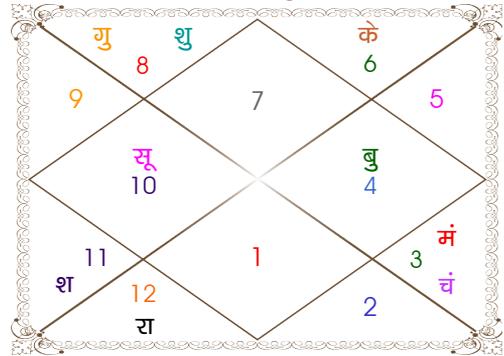
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 7 वर्ष 6 मास 29 दिन

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
16/01/1995	16/08/2002	16/08/2021	16/08/2038	16/08/2045
16/08/2002	16/08/2021	16/08/2038	16/08/2045	16/08/2065
00/00/0000	शनि 19/08/2005	बुध 13/01/2024	केतु 12/01/2039	शुक्र 15/12/2048
00/00/0000	बुध 28/04/2008	केतु 09/01/2025	शुक्र 13/03/2040	सूर्य 16/12/2049
00/00/0000	केतु 07/06/2009	शुक्र 10/11/2027	सूर्य 19/07/2040	चंद्र 16/08/2051
16/01/1995	शुक्र 07/08/2012	सूर्य 15/09/2028	चंद्र 17/02/2041	मंगल 16/10/2052
शुक्र 26/02/1997	सूर्य 20/07/2013	चंद्र 15/02/2030	मंगल 16/07/2041	राहु 16/10/2055
सूर्य 16/12/1997	चंद्र 18/02/2015	मंगल 12/02/2031	राहु 04/08/2042	गुरु 16/06/2058
चंद्र 17/04/1999	मंगल 29/03/2016	राहु 31/08/2033	गुरु 11/07/2043	शनि 16/08/2061
मंगल 23/03/2000	राहु 03/02/2019	गुरु 07/12/2035	शनि 19/08/2044	बुध 16/06/2064
राहु 16/08/2002	गुरु 16/08/2021	शनि 16/08/2038	बुध 16/08/2045	केतु 16/08/2065

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
16/08/2065	16/08/2071	16/08/2081	16/08/2088	17/08/2106
16/08/2071	16/08/2081	16/08/2088	17/08/2106	00/00/0000
सूर्य 03/12/2065	चंद्र 16/06/2072	मंगल 12/01/2082	राहु 29/04/2091	गुरु 04/10/2108
चंद्र 04/06/2066	मंगल 15/01/2073	राहु 31/01/2083	गुरु 21/09/2093	शनि 18/04/2111
मंगल 10/10/2066	राहु 17/07/2074	गुरु 06/01/2084	शनि 28/07/2096	बुध 24/07/2113
राहु 04/09/2067	गुरु 16/11/2075	शनि 14/02/2085	बुध 15/02/2099	केतु 29/06/2114
गुरु 22/06/2068	शनि 16/06/2077	बुध 11/02/2086	केतु 05/03/2100	शुक्र 17/01/2115
शनि 04/06/2069	बुध 15/11/2078	केतु 11/07/2086	शुक्र 06/03/2103	00/00/0000
बुध 10/04/2070	केतु 17/06/2079	शुक्र 10/09/2087	सूर्य 29/01/2104	00/00/0000
केतु 16/08/2070	शुक्र 14/02/2081	सूर्य 16/01/2088	चंद्र 30/07/2105	00/00/0000
शुक्र 16/08/2071	सूर्य 16/08/2081	चंद्र 16/08/2088	मंगल 17/08/2106	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 7 वर्ष 6 मा 16 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगी। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई की तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते हैं। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकती हैं।

आप लंबी आकृति की कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाली उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते हैं। फलस्वरूप आप पुरुष के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाती हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नहीं बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि चिह्न सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नहीं बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते हैं। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभाव्य हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूएन्जा,

कंठ रोग, स्त्री संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए, इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ट रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल है, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। जबकि इसके अतिरिक्त रंग काला, एवं लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।